बाल दिवस पर Google Doodle - जाने पंडित नेहरू पर जानकारी!

भारत हर साल 14 नवंबर को भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाता है। ऐसा कहा जाता है कि जवाहर लाल नेहरू को बच्चे काफी पसंद थे और बच्चे भी उन्हें प्यार से चाचा नेहरू व चाचाजी कह कर बुलाते थे। इस लेख के माध्यम से हम आपको बाल दिवस मनाने की कहानी, उसका इतिहास व चाचा नेहरू के बारे में बताने जा रहे है।

बाल दिवस - मनाने का कारण

- पंडित जवाहरलाल नेहरू को बच्चों से बेहद प्यार था। बच्चों के प्रति उनके प्यार को देखते हुए देशवासियों ने उनके जन्म दिन को बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।
- जिसके चलते वर्ष 1964 को पहली बार उनके जन्मदिन को बालदिवस के रूप में मनाया गया।
- 1964 के पहले देश में 20 नवंबर को बाल दिवस मनाया जाता था।
- पहली बार 1 9 64 में उनके जन्मदिन पर मनाया गया था, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा सार्वभौमिक बाल दिवस के रूप में देखा गया था।
- लेकिन 19 64 में चाचा नेहरू के मृत्यु के बाद, सर्वसम्मति से उनके जन्मदिन को बच्चों के दिन के रूप में मनाने का फैसला किया गया।
- पंडित नेहरू, जिन्होंने बच्चों को प्यार और स्नेह देने के महत्व पर जोर दिया, ने कहा था कि: "आज के बच्चे कल का भारत बनाएंगे। जिस तरह से हम उन्हें सवारेंगे, वह उसी तरह देश का भविष्य निर्धारित किया जाएगा"।

जवाहर लाल नेहरू - प्रारंभिक जीवन

- जवाहर लाल नेहरू स्वतंत्र भारत के पहले प्रधान मंत्री थे।
- उनका जन्म 14 नवंबर, 1889 को भारत के इलाहाबाद में हुआ था।
- उनके पिता मोतीलाल नेहरू, एक प्रसिद्ध वकील थे जो कश्मीरी पंडित के समुदाय से संबंधित थे।
- जवाहर पंडित मोतीलाल नेहरू और स्वरुप रानी के चार बच्चों में से सबसे बड़े थे।

- 1916 में नेहरू ने कमला कौल से शादी की। उनकी एकमात्र बेटी इंदिरा प्रियदर्शिनी का जन्म 1917 में हुआ था, जो बाद में देश की प्रधानमंत्री भी बनी।

जवाहर लाल नेहरू - उपलब्धियाँ

- 1955 में, स्वतंत्रता संग्राम और भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए नेहरू को भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।
- उनकी मृत्यु के बाद जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय और पुस्तकालय समेत सम्मान और श्रद्धांजलि के प्रतीक के रूप में कई संस्थानों और स्मारकों का नाम रखा गया है।
- पंडित जवाहरलाल नेहरू अंग्रेजी में एक शानदार लेखक थे और उन्होंने कई किताबें लिखीं जिनमें 'द डिस्कवरी ऑफ इंडिया', 'ग्लिम्प्स ऑफ़ वर्ल्ड हिस्ट्री', और उनकी आत्मकथा, 'टॉवर्ड फ्रीडम', 'लेटर्स फ्रॉम ए फादर टू द हशा' इत्यादि शामिल हैं।
- 1959 में, भारत सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय समझ के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार की शुरुआत की। यह दुनिया के लोगों के बीच अंतरराष्ट्रीय समझ, सद्भावना और दोस्ती के प्रचार में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रस्तुत किया जाता है।

जवाहर लाल नेहरू - मृत्यु

- 1960 की शुरुआत में नेहरू का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा।
- हालांकि उन्होंने कश्मीर में कुछ समय बिताया, लेकिन इससे ज्यादा मदद नहीं मिली।
- 27 मई, 1964 को नेहरू ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया।
- उनके शरीर को यमुना नदी के तट पर शांतिवन में हिंदू संस्कारों के अनुसार दाह संस्कार किया गया था।

हमें आशा है कि आपको बाल दिवस पर आधारित यह लेख आपके लिए उपयोगी साबित होगा। सामान्य ज्ञान पर आधारित अन्य लेख पढ़ने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें।

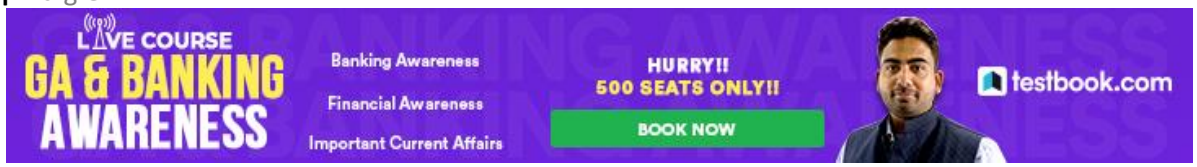

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2018	भारतीय कला और संस्कृति
भारतीय रेगुलेटरी बॉडीज की सूची	भारत में यूनेस्को (UNESCO) विश्व धरोहर स्थल
भारत की नदियां और ड्रेनेज सिस्टम	पराक्रम पर्व 2018

जैसा कि हम सभी जानते हैं, अभ्यास सफलता की कुंजी है। इसलिए, अब अपना अभ्यास शुरू कर, अपनी तैयारी को बढ़ावा दें।

फ्री में प्रश्नों का अध्ययन करें!

टेस्टबुक पर अपने संदेहों को दूर करने के लिए अपने साथी उम्मीदवारों और हमारे विशेषज्ञों से बात करें:

टेस्टबुक डिसकस से जुड़ें!

testbook.com